Coal Reserves in India. II

विश्व में उपलब्ध कुल कोयला भण्डार की तुलना में भारत में उपलब्ध कोयला भण्डार अधिक नहीं है।

भारत में वर्ष 2014-15 में 630.25 मिलियन टन कोयले का सुरक्षित भण्डार पाया गया है यह कोयला 1,200 मीटर गहराई तक मिलता है।

(i) यह भण्डार विश्व के सर्वाधिक भण्डार संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस परिसंघ व चीन में उपलब्ध है। इनका प्रतिशत क्रमशः 31.5, 25.6 व 21.3 है।

(ii) यह भण्डार विश्व के कुल कोयला भण्डारों का मात्र 7.9% है। इस प्रकार कोयला उत्खनन की दृष्टि से विश्व में भारत का स्थान तीसरा है।

भारतीय खनिज भण्डार विशेषज्ञों का अनुमान है कि भारत में मात्र 2% कोयला उत्तम श्रेणी का है, 7% कोयला मध्यम श्रेणी का और 91% कोयला निम्नस्तरीय है जिसे गैर-कुकिंग कोयले की श्रेणी में रखा जा सकता है।

विशेषज्ञों का यह भी मत है कि भारत में जिस दर से वर्तमान में कोयले का उत्खनन किया जा रहा है, उस दर से इन खदानों से लम्बी अवधि तक कोयला उपलब्ध हो सकता है।

भारत में कोयला उत्खनन क्षेत्र :→

(1) झारखण्ड :→

कोयला उत्खनन की दृष्टि से झारखण्ड को देश में प्रथम स्थान प्राप्त है।

बिहार की झरिया, गिरडीह, बोकारो, डाल्टनगंज व कर्णपुरा क्षेत्र की खदाने कोयला उत्खनन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।
बिहार की झरिया खदान देश का सबसे बड़ा कोयला उत्खनन क्षेत्र है।
इसका विस्तार 440 वर्ग किमी. क्षेत्र मे है। यहाँ उत्तम कोटि का बिटुमिनस कोयला पाया जाता है। नई दिल्ली से कलकत्ता तक के उद्योगो के लिए यही से कोयला प्राप्त होता है। जमशेदपुर और आसनसोल के उद्योगो को भी यही से कोयला भेजा जाता है।
कोयला उत्खनन की दृष्टि से बिहार का दूसरा प्रमुख क्षेत्र बोकारो झारखण्ड है। इस क्षेत्र का विस्तार 550 वर्ग किमी मे है, यहाँ कोक बनाने वाला उत्तम श्रेणी का कोयला पाया जाता है।
झारखण्ड का गिरडीह कोयला क्षेत्र हजारीबाग जिले मे स्थित है। यह लगभग 20 वर्ग किमी क्षेत्र मे फैला हुआ।
झारखण्ड का कर्णपुरा कोयला क्षेत्र ऊपरी दामोदर घाटी मे फैला हुआ है।

2. मध्य प्रदेश: →
देश मे कोयला उत्खनन की दृष्टि से मध्यप्रदेश दूसरे स्थान पर है। इस राज्य से देश के कुल कोयला उत्खनन का 30% कोयला प्राप्त होता है कुल 1977.7 करोड़ टन कोयले का सुरक्षित भण्डार

पाया गया है।
इसके प्रमुख क्षेत्र निम्नलिखित है:—
(i) छत्तीसगढ़ प्रदेश : ⟶ इसके अन्तर्गत विश्रामपुरी चिरमिरी, सोनहट, झिलमिली कोरियागढ़, लखनपुर, तातापानी और रामकोला क्षेत्र आता है।
कोरबा की खदाने भी दक्षिण छत्तीसगढ़ मे फैली है। यहाँ से कोयला भिलाई इस्पात कारखाने एवं कोरबा तापीय विद्युतगृह को भेजा जाता है।
(ii) बघेलखण्ड क्षेत्र : ⟶
इसके अन्तर्गत उमरिया, सोहागपुर सिंगरौली आदि कोयला क्षेत्र आते है, उमरिया का क्षेत्रफल 15 वर्ग किलोमीटर है।
सोहागपुर कोयला क्षेत्र 3,000 वर्ग किलोमीटर मे फैला हुआ है।
सिंगरौली क्षेत्र सीधी जिले मे आता है, कोयले की पर्तें 2 से 5 मीटर मोटी है।
(iii) सतपुड़ा कोयला क्षेत्र : ⟶
नरसिंह जिले मे मोहपानी क्षेत्र मे स्थित है। दुसरा क्षेत्र छिंदवाड़ा जिले मे पेंच और कन्हान घाटी मे फैला हुआ है।
बैतूल जिले मे पाथरखेड़ा कोयला क्षेत्र है। कोयला यहाँ स्थापित तापीय विद्युत्गृह के उपयोग मे आता है।
3. पश्चिम बंगाल : ⟶
यह क्षेत्र कोयले के संचित भण्डार की दृष्टि

Scanned with CamScanner

से दूसरे और उत्खनन मे तीसरे स्थान पर है। राज्य का सबसे प्रमुख कोयला क्षेत्र रानीगंज है। भारत का सबसे महत्वपूर्ण कोयला क्षेत्र है इसका विस्तार 1.092 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र मे है यहाँ परतों की मोटाई 16 मीटर एवं गहराई 600 मीटर तक है।

4. आन्ध्र प्रदेश :→

इसका प्रमुख क्षेत्र सिंगरेनी है जो 45 वर्ग किमी. क्षेत्र मे फैला हुआ है। कोयले का कुल 17461 करोड़ टन सुरक्षित भण्डार पाया गया है। अन्य क्षेत्र तन्दूर और ससती है।

5. महाराष्ट्र :→

यहाँ चन्द्रपुर, बल्लारपुर, बरारो, यवतमाल, नागपुर कोयला क्षेत्र है। कोयले का स्तर निम्न है।

6. जम्मू - कश्मीर :→

यहाँ टर्शियरी कोयला पाया जाता है, यहाँ खदाने चिनाब नदी के पूर्वी तथा पश्चिमी किनारे पर स्थित है।

7. राजस्थान :→ यहाँ लिग्नाइट कोयला पाया जाता है इसका प्रमुख क्षेत्र पालना है।

8. तमिलनाडु :→

यहाँ नेवेली लिग्नाइट कोयला क्षेत्र स्थित है। कोयले का उपयोग, विद्युत उर्वरक और रासायनिक उद्योगो मे किया जाता है।

भारत मे कोयला उत्खनन :→ वर्ष 1950-51 मे देश मे कोयले का उत्खनन मात्र 323 लाख टन था। इस उत्खनन मे निरन्तर वृद्धि होती रही है।

भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार वर्ष 2014-15 मे देश मे 1,200 मीटर की गहराई तक सुरक्षित कोयले का भण्डार 630.25 करोड़ मिलियन टन था।

वर्ष 2013-14 के दौरान कोयले का उत्पादन 563.09 मिलियन टन था जो वर्ष 2014-15 मे बढ़कर 541.2 मिलियन टन हो गया।

Scanned with CamScanner